जिला पंचायत (ग्रामीण विकास), छिन्दवाड़ा (म0प्र0)

सफलता की कहानी

तरबूज की खेती से फिरे बुजुर्ग आदिवासी के दिन
कपिलधारा के कुएं में निकला भरपूर पानी

छिन्दवाड़ा, दिनांक 10 जून 2008

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना म.प्र. में कपिलधारा योजना के तहत बने कुएं से आदिवासी बुजुर्ग के दिन फिर गए हैं । जिस बंजर भूमि पर पहले फसल के बारे में सोचना भी कठिन था, उस बंजर जमीन पर गर्मी के दिनों में भी तरबूज की फसल लहलहा रही है । इससे न केवल बुजुर्ग की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी बल्कि कूप निर्माण में कुछ मजदूरों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हुए हैं ।

परासिया विकासखंड की ग्राम पंचायत पिण्डरई में 70 वर्षीय सुमरू आदिवासी के खेत में कपिलधारा योजना के तहत कूप निर्माण का कार्य किया गया । कुएं में भरपूर पानी लगने से अब वह हर मौसम में फसल ले सकेगा । वर्तमान में भी सुमरू के खेत में तरबूज की फसल लहलहा रही है । सुमरू ने बताया कि उसके पास करीब पांच एकड़ जमीन है । खेत में पानी नहीं होने के कारण सिर्फ बरसाती फसल ही ले पाते थे । कड़ी मेहनत के बाद भी अच्छा प्रतिफल नहीं मिलता था । बरसाती फसल के बाद रबी की फसल नहीं ले पाते थे । खेत वीरान पड़ा रहता था ।

पंचायत सचिव नेमीचंद राय ने सुमरू से मुलाकात कर उन्हें कपिलधारा योजना के बारे में बताया और पंचायत की बैठक में कपिलधारा योजना के तहत सुमरू के खेत में कूप निर्माण का प्रकरण बनाया । सुमरू के खेत में फरवरी 2008 में कूप निर्माण का कार्य शुरू हो गया था । कुएं की खुदाई 10-15 फीट होने के बाद ही कुएं में पानी निकल आया । फिर क्या था सुमरू ने अपने खेत में तरबूज की फसल लगा दी । इधर कूप निर्माण का कार्य शुरू था और इधर फसल भी बढ़ रही थी । मार्च माह में तरबूज की फसल लगाई जो करीब एक-डेढ़ माह बाद आ गई । खेत में

सभी तरफ तरबूज ही तरबूज दिखने लगे । सुमरू और उसके परिवार के चेहरे पर खुशी का ठिकाना न था । सुमरू ने करीब एक हैक्टेयर में तरबूज लगाए थे ।

जिस बंजर भूमि पर पहले गर्मी के दिनों में सिवाय वीरानी के कुछ न रहता था वहां तरबूज की फसल लहलहाते देख हर कोई राहगीर उत्सुकतावश सुमरू के खेत पहुंच जाता और तरबूज की फसल लहलहाते देख प्रसन्न होता । पूछने पर सुमरू का जवाब रहता कि कपिलधारा योजना के तहत कूप निर्माण का कार्य किया गया है । जिससे यह कार्य संभव हो पाया है । बुजुर्ग सुमरू का कहना है कि उम्र के आखरी

पड़ाव में यह चिंता सताती रहती थी कि खेत में पानी की व्यवस्था नहीं है । आने वाले दिनों में परिवार का भरण–पोषण कैसे होगा । अपनी दो पीढ़ी देख चुके सुमरू की यह चिंता अब समाप्त हो गई है । सुमरू के खेत में लगे तरबूज का स्वाद हर किसी राहगीर और आसपास के खेत वालों ने उठाया । तरबूज स्थानीय बाजारों में भी बेचा गया जिससे अच्छी खासी आय भी सुमरू के परिवार को हुई । सुमरू और उसका परिवार पहले मजदूरी करता था लेकिन अब कुएं में पानी लगने से सभी अपने ही खेत में लगे रहते हैं । सचिव नेमीचंद राय ने बताया कि जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री ओमकार सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में पंचायत में कई विकास कार्य कराए जा रहे हैं । जिला पंचायत, छिन्दवाड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री बी.एम. शर्मा ने पिछले दिनों इस कुएं का निर्माण कार्य देखा और पंचायत के सरपंच, सचिव की सराहना की । उन्होंने सुमरू का हालचाल भी पूछा । श्री शर्मा ने सुमरू से अपने खेत में मेढ़ बंधान का कार्य करने के लिए भी कहा जिसे सुमरू ने सहर्ष स्वीकार किया ।

—::—